

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, माण्डल

श्री अकरलाल वनाम तहसीलदार मांडल

केसम मुकदमा प्रॉ.पत्र द्वारा B6 R-T-A नं० 124 सन् 2021

नं०	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील मे जारी हुए
-----	-----------------------------------	---

921

वाद / प्रार्थनापत्र बाद जाँच प्रस्तुत हुआ दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षीगण को सम्मन नोटिस जारी किये जावें । पत्रावली दिनांक 2-10-21 को पेश हो ।

उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर माण्डल

3-12-21

पत्रावली प्रशासन गाँवों के स्वैग अभियान 2021 केम्प ग्राम पंचायत आलमासु में पेश हुई । तहसीलदार मांडल द्वारा प्राप्त मौका पर्चा को शामिल पत्रावली किया गया प्रार्थीगण की आराजीयात ग्राम केरिया परवार हल्का केरिया तहसील मांडल में स्थित खाता नं० 32 में आराजीम 1832, 1835, 1836, 1837, 3051/1873, 3050/1873, 3055/1687, 1838, 1868, 1873 एवं खाता नं० उक्त आराजीयात 174255 और वर्तमान राजस्व रेकार्ड में प्रार्थीगण एवं अन्यखातेदारों के नाम दर्ज रेकार्ड है, जिसके साबिक नम्बर 1887/2, 1881, 1885, 1882, थे, जिसके उत्तरी दिशा में साबिक आराजी नं० 1878 व 1879 में मु० रास्ता स्थित है जिसके वर्तमान आराजी नं० 1707 व 1708 में मु० रास्ता है परन्तु सैटलमेन्ट के बाद बने गये नये नक्शे में साबिक नक्शा अनुसार ही दर्ज होना चाहिए था। साबिक नक्शे में प्रार्थीगण की जो साबिक आराजीयात थी, इस साबिक आराजीयात के मध्य कोई रास्ता तर्मीम नहीं था, लेकिन सैटलमेन्ट ऑपरेशन के दौरान जहाँ सैटलमेन्ट अधिकारियों को किसी प्रकार का नवीन इन्डाण्ड करने का अधिकार नहीं होते हुए भी उपरोक्त साबिक आराजी नं० 1878 व 1879 में मु० रास्ते को प्रार्थीगण की आराजीयात के मध्य राजस्व नक्शे में तर्मीम कर दिया, जब कि वास्तव में उपरोक्त रास्ता नवीन नक्शे में साबिक आराजी नं० 1887/2 जिसके ही वर्तमान में आराजी नं० 3055/1687 है, के उत्तरी दिशा में साबिक



दिनांक

अनुसूची अनुसार आराजी नं. 1707 व 1708 गै. मु. रास्ते को तस्मीम किया जाने का निवेदन किया।
मैंने पञ्जावली का अवलोकन किया तथा तहसीलदार द्वारा पेश की गयी भौका पर्चा रिपोर्ट का अध्ययन किया जिससे जाहिर था कि वास्तव में सेटलमेन्ट अधिकारी द्वारा गलती हुई है। प्रार्थना का प्रार्थना का व्यापक में स्वीकार किया जाकर आदेश दिया जाता है कि गाम केरिया परिवार हल्का केरिया तहसील माण्डल के शासिक आराजी नं. 1887/2 जिसके वर्तमान मैथराजी नं. 3055/1687 है, के उत्तरी दिशा में शासिक अनुसूची अनुसार आराजी नं. 1807 व 1808 गै. मु. रास्ते को तस्मीम किये जाने का आदेश दिया जाता है। तहसीलदार माण्डल राणस्व रेकार्ड में गै. मु. रास्ते को दर्ज करे। पालना हेतु निर्णय की प्रति तहसीलदार को भिजवाते हुए लिखा जावे। पञ्जावली फौजल शुमार होकर नम्बर से कम है।

डॉ. पूजा सक्सेना
उपखण्ड अधिकारी माण्डल
प्रशासन गाँवों के संग अभियान 2021